सहभागियों के साथ द्विपक्षीय संपर्क निर्यात क्षेत्र का विविधीकरण अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलो में संर्द्धित सहभागिता सहित विभिन्न बाजार संवर्धन के उपाय ब्रांड संवर्धन क्रियाकलाप भारतीय उद्योग को प्रोत्सहित करना ताकि वह स्वंय को बड़े आयातक देशोम के द्वारा विनिर्मित उत्पादों के लिए निर्धारित मांनदंडों को पूरा करने के लिए पुनः व्यस्थित कर सके, गुणवत्त पहलुओं के संबंध में जानकारी का प्रसार, निर्यात हित के विशिष्ट विनिर्मित उत्पादों की गुणवत्ता संबंधी जांच बोडिट भंडागारों की स्थापना करने के लिए उद्योग तथा व्यापार जगत को प्रोत्साहित करना तथा गुणवत्ता संयुक्त उद्योगों की स्थापना को सुविधाजनक बनाना । इसके अतिरिक्त भारतीय सामानोम के निर्यात को बढ़ाने के लिए द्विपक्षीय परियोजनाओं के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं का भी पता लगाया जाता है । एक्जिम नीति सहित भारतीय करने के लिए नीति के रूप में विशेष ध्यान दिया जाता है ।

Impact of Indo-Sri Lanka Accord on Coir Industry

1250. SHRI A. VIJAYA RAGHAVAN: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) the details regarding the adverse effect of the Indo-Sri Lankan Trade agreement on Coir and Coir products;

(b) whether Kerala has opposed this move;

(c) if so, the details thereof; and

(d) the safeguards taken in this regard?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI RAMAKRISHNA HEGDE): (a) to (d) The Indo-Sri Lanka Free Trade Agreement provides for elimination of tariffs by the two countries on all items except for a limited number of items in the Negative List, over a period of time. India has agreed to eliminate tariffs over a period of 3 years, whereas Sri Lanka will do so in 8 years.

Under the provisions of the Agreement, the two sides are to exchange the lists of items on which tariff concessions shall be given as well as those items on which no concessions shall be given While a preliminary exchange of lists has taken place, the matter is still under finalization.

Representation has been received from the Government of Kerala to include coir and coir products in the Negative List. The representation alongwith similar representations received from other quarters has been accordingly given due consideration while finalizing the lists, as well as in the discussions with the Sri Lankan side on this issue.

आयात व निर्यात के बीच का अन्तर

1251. **श्री राज मोहिन्दर सिंह**:

श्री कपिल सिब्बल:

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि निर्यात की तुलना में अधिक आयात होने के कारण आयात-निर्यात के मूल्य में अन्तर उत्पन्न हो गया है:

(ख) यदि हां, तो चालू वित्तिय वर्स में अप्रैल से दिसम्बर के दौरान कितने कितने मूल्य का आयात व निर्यात किया गया; और

(ग) यह आयात व निर्यात मूल्य गत वर्ष के मूल्यों की तुलना में कितना अधिक या कम है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री राक्मकृष्ण हेगड़े) : (क) जी हां ।

(ख) और (ग) वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय के अनन्तिम आंकड़ो के अनुसार, अप्रैल-दिसम्बर, 1997-98 और 1998-99 की अवधी के दौरान आयात और निर्यत मूल्य निम्ननुसार है

(**मिलियन अमरीकी डालर**)

वर्ष	**आयात % वृद्धि**	**निर्यात % वृद्धि**
अप्रैल-दिसम्बर 1997-98	29485	25006
अप्रैल-दिसम्बर 1998-99	31583 7.12	24287 2.88